Jan Sagar Today

Date:22.08.2026

आईटीएस डेंटल कॉलेज में चौथे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के छठवें मॉड्यूल का आयोजन

जन सागर टुडे (सं)

मुरादनगर। आई.टी.एस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के पीरियडोनटोलॉजी विभाग द्वारा तीन दिवसीय चौथे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के छठवें मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इसमें प्रत्येक मॉड्यूल तीन दिनों का होता है, जिसमें 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एम.डी.एस के विद्यार्थी और कॉलेज के अध्यापक शामिल थे। यह कोर्स डेक्टोमैक्स इंटरनेशनल एकेडमी और प्रोफी विश्वविद्यालय, उज्बेकिस्तान के सहयोग से आयोजित किया गया था।

यह कार्यक्रम आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन,अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच चेहरे के सौन्दर्य चिकित्सा के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा चेहरे के सौन्दर्य में वृद्धि की मांग करने वाले रोगियों की प्राथमिक वैकल्पिक लक्ष्यों को प्राप्त करना एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान करना है।इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर डॉ आशीष कुमार सिंह, डॉ जूही तलरेजा, डॉ श्वेता गुप्ता एवं डॉ गौरव तिवारी थे, जो फेशियल एस्थेटिक्स चिकित्सक के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय वक्ता भी है। जिन्होंने फेशियल एस्थेटिक्स पर इस तरह की अनेकों कार्यशालाएं की है। कार्यक्रम के दौरान डॉ आशीष एवं उनकी टीम ने कॉस्मेटिक डेन्टिस्ट्री के अन्तर्गत चेहरे की सुदंरता को ज्यादा बढाने के लिए विभिन्न विकल्पों के बारे में सभी प्रतिभागियों को समझाया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को केमिकल पील्स, बोटॉक्स, लेजर हेयर रिडक्शन, डर्मल फिलर्स और अन्य फेशियल एस्थेटिक्स उपचार को सफलतापूर्वक एकीकृत करने के लिये तैयार करना है।

मॉड्यूल के पहले दिन में प्रतिभागियों को स्कार रिवीजन सर्जरी, जैंथेलाजमा एक्सीजन तथा ईयरलोब रिपेयर पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को स्कार के आकलन, सर्जिकल करेक्शन, एस्थेटिक टिश्यू मैनेजमेंट, सटीक एक्सीजन, घाव की सिलाई तथा पुनर्निर्माण संबंधित तकनीकों का मरीजों पर व्यावहारिक अनुप्रयोग का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

दूसरे दिन ब्लेफरोप्लास्टी, चिन इम्प्लांट जेनियोप्लास्टी तथा बक्कल फैट रिडक्शन प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रतिभागियों को चेहरे का मूल्यांकन, एस्थेटिक उपचार प्लानिंग, पलकों को सुंदर बनाना, चीन को सुंदर बनाना, चेहरे की कंटूरिंग तथा टिश्यू मैनेजमेंट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष ध्यान दिया गया। तीसरे दिन में सर्जिकल गमी स्माइल करेक्शन तथा लिप रिडक्शन पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को स्माइल एवं फेशियल एस्थेटिक असेसमेंट, अत्यधिक मसूड़ों के प्रदर्शन का सर्जिकल सुधार, होठों की आकृति में सुधार तथा चेहरे को सुंदर बनाना की तकनीकों का व्यापक व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। तीनों दिन प्रतिभागियों ने मरीजों परइन नवीनतम उपचारों का हैंड्स-ऑन किया। डॉ आशीष ने विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों के लिये इस तरह के ज्ञानवर्धक मंच के आयोजन के लिये संस्थान को धन्यवाद दिया।

Sign: ____________ **Dental Library**

____________ **Director- Principal**

Aditya Vibhore

Date:22.08.202

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में फेशियल एस्थेटिक्स प्रशिक्षण का आयोजन

आदित्य विभोर

गाजियाबाद। आई.टी.एस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के पीरियडोनटोलॉजी विभाग द्वारा 19 से 21 अगस्त तक चौथे उन्नत फेशियल एस्थेटिक्स पाठ्यक्रम के छठवें मॉड्यूल का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एमडीएस विद्यार्थी और अध्यापक शामिल रहे। कार्यक्रम का आयोजन डेक्टोमैक्स इंटरनेशनल एकेडमी और प्रोफी विश्वविद्यालय, उज्बेकिस्तान के सहयोग से किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के उपाध्यक्ष अर्पित चड्ढा के सहयोग से किया गया। इसका उद्देश्य दंत चिकित्सकों को चेहरे की सौंदर्य चिकित्सा की नवीन तकनीकों से परिचित कराना और मरीजों को बेहतर एवं समग्र उपचार उपलब्ध कराने के लिए प्रशिक्षित करना रहा। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. आशीष कुमार सिंह, डॉ. जूही तलरेजा, डॉ. श्वेता गुप्ता और डॉ. गौरव तिवारी ने प्रतिभागियों को चेहरे की सुंदरता बढ़ाने से जुड़ी विभिन्न उपचार तकनीकों की जानकारी दी। प्रशिक्षण में रासायनिक छिलाई, बोटॉक्स, लेजर द्वारा बालों को कम करना, त्वचीय भराव सहित विभिन्न सौंदर्य उपचारों को दंत चिकित्सा के साथ प्रभावी रूप से जोड़ने पर जानकारी दी गई।

पहले दिन प्रतिभागियों को दाग सुधार शल्य चिकित्सा, जैंथेलाजमा हटाने तथा कान की लौ की मरम्मत संबंधी तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। दूसरे दिन पलक सौंदर्य शल्य चिकित्सा, ठुड्डी प्रत्यारोपण एवं जेनियोप्लास्टी तथा गाल की अतिरिक्त वसा हटाने की प्रक्रियाओं पर प्रशिक्षण दिया गया। तीसरे दिन मसूड़ों की अधिक दिखाई देने वाली स्थिति के शल्य सुधार और होंठों की आकृति में सुधार संबंधी तकनीकों पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

तीनों दिनों प्रतिभागियों ने मरीजों पर विभिन्न उपचार प्रक्रियाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान चेहरे के सौंदर्य मूल्यांकन, उपचार की योजना, ऊतक प्रबंधन, शल्य सुधार और चेहरे की रूपरेखा को बेहतर बनाने जैसी तकनीकों पर विशेष जोर दिया गया। डॉ. आशीष ने विद्यार्थियों और दंत चिकित्सकों के लिए इस प्रकार के ज्ञानवर्धक प्रशिक्षण मंच उपलब्ध कराने के लिए संस्थान का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों ने फेशियल एस्थेटिक्स उपचार की नवीन तकनीकों की जानकारी प्रदान करने के लिए आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा और उपाध्यक्ष अर्पित चड्ढा का आभार जताया।

Sign: ____________ **Dental Library** ____________________ **Director- Principal**

Dainik Hint

Date:22.08.2026

आईटीएस में एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स का आयोजन

हिन्ट संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कालेज के पीरियडोनटोलॉजी विभाग की ओर से तीन दिवसीय चौथे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स पर आयोजित कार्यक्रम का समापन हो गया। डेक्टोमैक्स इंटरनेशनल एकेडमी और प्रोफी विश्वविद्यालय उज्बेकिस्तान के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञो ने मरीजों के बीच चेहरे के सौन्दर्य चिकित्सा के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा चेहरे के सौन्दर्य में वृद्धि की मांग करने वाले रोगियों की प्राथमिक वैकल्पिक लक्ष्यों की पूर्ण जानकारी दी।

आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा की मौजूदगी में मुख्य वक्ताओं में डॉ आशीष कुमार सिंह, डॉ जूही तलरेजा, डॉ श्वेता गुप्ता एवं डॉ गौरव तिवारी कॉस्मेटिक डेन्टिस्ट्री के अन्तर्गत चेहरे की सुदंरता को ज्यादा बढाने के लिए विभिन्न विकल्पों के बारे में सभी प्रतिभागियों को समझाया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को केमिकल पील्स, बोटॉक्स, लेजर हेयर रिडक्शन, डर्मल फिलर्स और अन्य फेशियल एस्थेटिक्स उपचार को एकीकृत करने के लिये तैयार करना रहा। प्रतिभागियों को स्कार रिवीजन सर्जरी, जैंथेलाजमा एक्सीजन तथा ईयरलोब रिपेयर का भी प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को स्कार के आकलन, सर्जिकल करेक्शन, एस्थेटिक टिश्यू मैनेजमेंट, सटीक एक्सीजन, घाव की सिलाई के बारे में भी बताया गया।

अंत में सर्जिकल गमी स्माइल करेक्शन तथा लिप रिडक्शन पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को अत्यधिक मसूड़ों के प्रदर्शन का सर्जिकल सुधार, होठों की आकृति में सुधार तथा चेहरे को सुंदर बनाने की तकनीक भी बताई गई। कार्यक्रम के आयोजन को लेकर संस्थान ने चेयरमैन डा. आरपी चड्ढा के सहयोग को सराहा गया।

Sign: ____________ ________________________

Dental Library **Director- Principal**

Loktantra Vani

Date:22.08.2026

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में फेशियल एस्थेटिक्स पाठ्यक्रम के छठवें मॉड्यूल का आयोजन

लोकतंत्र वाणी / संवाददाता

गाजियाबाद। आई.टी.एस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के पीरियडोनटोलॉजी विभाग द्वारा 19 से 21 अगस्त 2026 तक चौथे उन्नत फेशियल एस्थेटिक्स पाठ्यक्रम के छठवें मॉड्यूल का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। प्रत्येक मॉड्यूल तीन दिनों का होता है। इस मॉड्यूल में 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एमडीएस के विद्यार्थी तथा कॉलेज के अध्यापक शामिल रहे। यह पाठ्यक्रम डेक्टोमैक्स इंटरनेशनल एकेडमी और प्रोफी विश्वविद्यालय, उज्बेकिस्तान के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन आई.टी.एस द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के सहयोग से किया गया। इसका उद्देश्य मरीजों में चेहरे की सौंदर्य चिकित्सा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा चेहरे के सौंदर्य में वृद्धि की मांग करने वाले रोगियों को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप समग्र उपचार उपलब्ध कराना है। पाठ्यक्रम के अतिथि वक्ता डॉ. आशीष कुमार सिंह, डॉ. जूही तलरेजा, डॉ. श्वेता गुप्ता एवं डॉ. गौरव तिवारी रहे। सभी फेशियल एस्थेटिक्स चिकित्सक होने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय वक्ता भी हैं और इस क्षेत्र में अनेक कार्यशालाओं का आयोजन कर चुके हैं। कार्यक्रम के दौरान डॉ. आशीष कुमार सिंह एवं उनकी टीम ने कॉस्मेटिक दंत चिकित्सा के अंतर्गत चेहरे की सुंदरता को बढ़ाने के विभिन्न विकल्पों के बारे में प्रतिभागियों को जानकारी दी। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को रासायनिक छिलाई, बोटॉक्स, लेजर द्वारा बालों को कम करना, त्वचीय भराव तथा अन्य चेहरे की सौंदर्य चिकित्सा प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक उपचार में शामिल करने के लिए प्रशिक्षित करना है। मॉड्यूल के पहले दिन प्रतिभागियों को दाग सुधार शल्य चिकित्सा, जैंथेलाज्मा हटाने तथा कान की लोब की मरम्मत संबंधी प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को दाग का आकलन, शल्य सुधार, सौंदर्यात्मक ऊतक प्रबंधन, सटीक निष्कासन, घाव की सिलाई तथा पुनर्निर्माण संबंधी तकनीकों का मरीजों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। दूसरे दिन पलक सौंदर्य शल्य चिकित्सा, ठोड़ी प्रत्यारोपण, जेनियोप्लास्टी तथा गाल की वसा कम करने की प्रक्रियाओं पर विशेष ध्यान दिया गया। प्रतिभागियों को चेहरे का मूल्यांकन, सौंदर्यात्मक उपचार की योजना, पलकों को सुंदर बनाने, ठोड़ी के सौंदर्य में सुधार, चेहरे की रूपरेखा को बेहतर बनाने तथा ऊतक प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

तीसरे दिन सर्जिकल गमी स्माइल सुधार तथा होंठों का आकार कम करने की प्रक्रियाओं पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को मुस्कान एवं चेहरे के सौंदर्य का आकलन, अधिक मसूड़े दिखाई देने की समस्या का शल्य सुधार, होंठों की आकृति में सुधार तथा चेहरे की सुंदरता बढ़ाने की तकनीकों का व्यापक व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। तीनों दिनों प्रतिभागियों ने मरीजों पर इन नवीनतम उपचार प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। डॉ. आशीष कुमार सिंह ने विद्यार्थियों एवं अन्य दंत चिकित्सकों के लिए इस प्रकार के ज्ञानवर्धक मंच के आयोजन के लिए संस्थान का धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को चेहरे की सौंदर्य चिकित्सा से संबंधित नवीनतम एवं प्रभावी उपचार प्रक्रियाओं का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ। इसके लिए सभी प्रतिभागियों ने आई.टी.एस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा का धन्यवाद किया।

Sign: __________ Dental Library

________________ Director- Principal

Rojana Times

Date:22.08.2026

आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज में फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के छठवें मॉड्यूल का आयोजन

दैनिक रोजाना टाइम्स

मुरादनगर। आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज के पीरियडोनटोलॉजी विभाग द्वारा चौथे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के छठवें मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इसमें प्रत्येक मॉड्यूल तीन दिनों का होता है, जिसमें 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एम.डी.एस के विद्यार्थी और कॉलेज के अध्यापक शामिल थे। यह कोर्स डेक्टोमैक्स इंटरनेशनल एकेडमी और प्रोफी विश्वविद्यालय, उज्बेकिस्तान के सहयोग से आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच चेहरे के सौन्दर्य चिकित्सा के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा चेहरे के सौन्दर्य में वृद्धि की मांग करने वाले रोगियों की प्राथमिक वैकल्पिक लक्ष्यों को प्राप्त करना एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान करना है। इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर डॉ

आशीष कुमार सिंह, डॉ जूही तलरेजा, डॉ श्वेता गुप्ता एवं डॉ गौरव तिवारी थे, जो फेशियल एस्थेटिक्स चिकित्सक के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय वक्ता भी है। जिन्होंने फेशियल एस्थेटिक्स पर इस तरह की अनेकों कार्यशालाएं की है। कार्यक्रम के दौरान डॉ आशीष एवं उनकी टीम ने कॉस्मेटिक डेन्टिस्ट्री के अन्तर्गत चेहरे की सुदंरता को ज्यादा बढाने के लिए विभिन्न विकल्पों के बारे में सभी प्रतिभागियों को समझाया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को केमिकल पील्स, बोटॉक्स, लेजर हेयर रिडक्शन, डर्मल फिलर्स और अन्ये फेशियल एस्थेटिक्स उपचार को सफलतापूर्वक एकीकृत करने के लिये तैयार करना है। मॉड्यूल के पहले दिन में प्रतिभागियों को स्कार रिवीजन सर्जरी, जैंथेलाजमा एक्सीजन तथा ईयरलोब रिपेयर पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को स्कार के आकलन, सर्जिकल करेक्शन, एस्थेटिक टिश्यू मैनेजमेंट, सटीक एक्सीजन, घाव की सिलाई तथा पुनर्निर्माण संबंधित तकनीकों का मरीजों पर व्यावहारिक अनुप्रयोग का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। दूसरे दिन ब्लेफरोप्लास्टी, चिन इम्प्लांट जेनियोप्लास्टी तथा बक्कल फैट रिडक्शन प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रतिभागियों को चेहरे का मूल्यांकन, एस्थेटिक उपचार प्लानिंग, पलकों को सुंदर बनाना, चीन को सुंदर बनाना, चेहरे की कंटूरिंग तथा टिश्यू मैनेजमेंट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष ध्यान दिया गया। तीसरे दिन में सर्जिकल गमी स्माइल करेक्शन तथा लिप रिडक्शन पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को स्माइल एवं फेशियल एस्थेटिक असेसमेंट, अत्यधिक मसूड़ों के प्रदर्शन का सर्जिकल सुधार, होठों की आकृति में सुधार तथा चेहरे को सुंदर बनाना की तकनीकों का व्यापक व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। तीनों दिन प्रतिभागियों ने मरीजों पर इन नवीनतम उपचारों का हैंड्स-ऑन किया। डॉ आशीष ने विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों के लिये इस तरह के ज्ञानवर्धक मंच के आयोजन के लिये संस्थान को धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ फेशियल एस्थेटिक्स उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Social Media Times

Date:22.08.2026

आईटीएस डेंटल कॉलेज में फेशियल एस्थेटिक्स के एडवांस्ड कोर्स मे 36चिकत्सकों ने लिया प्रशिक्षण

सोशल मीडिया टाइम्स

मुरादनगर। आई.टी.एस डेंटल कॉलेज के पीरियडोन्टोलॉजी विभाग द्वारा 19 से 21 अगस्त तक चौथे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के छठवें मॉड्यूल का सफल आयोजन किया गया। यह कोर्स डेक्टोमैक्स इंटरनेशनल एकेडमी और प्रोफी विश्वविद्यालय, उज्बेकिस्तान के सहयोग से आयोजित किया गया। इस तीन दिवसीय मॉड्यूल में 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एम.डी.एस विद्यार्थी और फैकल्टी शामिल थे। यह कार्यक्रम आई.टी.एस – द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य मरीजों में फेशियल एस्थेटिक्स के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समग्र उपचार प्रदान करना है।

पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर अंतरराष्ट्रीय फेशियल एस्थेटिक्स विशेषज्ञ डॉ. आशीष कुमार सिंह, डॉ. जूही तलरेजा, डॉ. श्वेता गुप्ता एवं डॉ. गौरव तिवारी रहे। स्पीकर्स ने कॉस्मेटिक डेंटिस्ट्री के तहत चेहरे की सुंदरता बढ़ाने के विभिन्न विकल्पों, केमिकल पील्स, बोटॉक्स, लेजर हेयर रिडक्शन और डर्मल फिलर्स को सफलतापूर्वक इंटीग्रेट करने पर प्रशिक्षण दिया।

पहला दिनः स्कार रिवीजन सर्जरी, जैंथेलाजमा एक्सीजन तथा ईयरलोब रिपेयर पर प्रशिक्षण दिया गया। स्कार असेसमेंट, एस्थेटिक टिश्यू मैनेजमेंट और सर्जिकल तकनीकों का मरीजों पर प्रैक्टिकल कराया गया।

दूसरा दिनः ब्लेफरोप्लास्टी, चिन इम्प्लांट जेनियोप्लास्टी और बक्कल फैट रिडक्शन पर फोकस रहा। चेहरे का मूल्यांकन, एस्थेटिक ट्रीटमेंट प्लानिंग और फेस कंटूरिंग की तकनीकें सिखाई गईं।

तीसरा दिनः सर्जिकल गमी स्माइल करेक्शन और लिप रिडक्शन पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। स्माइल एस्थेटिक असेसमेंट और लिप शेपिंग का हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण हुआ। तीनों दिन प्रतिभागियों ने मरीजों पर इन एडवांस प्रक्रियाओं का हैंड्स-ऑन अभ्यास किया। डॉ. आशीष ने इस ज्ञानवर्धक मंच के आयोजन के लिए संस्थान को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library Director- Principal

Smart Vision Samachar

Date-22.08.2026

आईटीएस डेंटल कॉलेज में फेशियल एस्थेटिक्स का प्रशिक्षण, 36 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

स्मार्ट विज़न समाचार

गाजियाबाद। आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के पीरियोडोंटोलॉजी विभाग की ओर से 19 से 21 अगस्त तक चौथे एडवांस्ड फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के छठे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 36 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एमडीएस के विद्यार्थी और कॉलेज के शिक्षक शामिल रहे। कार्यक्रम का आयोजन डेंटोमैक्स इंटरनेशनल एकेडमी और प्रोफी यूनिवर्सिटी, उज्बेकिस्तान के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य दंत चिकित्सकों को चेहरे की सुंदरता से जुड़ी आधुनिक चिकित्सा तकनीकों की जानकारी देना और मरीजों को बेहतर समग्र उपचार उपलब्ध कराने के लिए प्रशिक्षित करना रहा। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ताओं के रूप में डॉ. आशीष कुमार सिंह, डॉ. जूही तलरेजा, डॉ. श्वेता गुप्ता और डॉ. गौरव तिवारी ने प्रशिक्षण दिया। विशेषज्ञों ने फेशियल एस्थेटिक्स से जुड़ी विभिन्न आधुनिक तकनीकों और उपचार विकल्पों की जानकारी प्रतिभागियों को दी।

पहले दिन सर्जिकल तकनीकों का प्रशिक्षण : मॉड्यूल के पहले दिन प्रतिभागियों को स्कार रिवीजन सर्जरी, जैन्थेलाज्मा एक्सीजन और ईयरलोब रिपेयर जैसी प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही स्कार के आकलन, सर्जिकल करेक्शन, एस्थेटिक टिश्यू मैनेजमेंट, सटीक एक्सीजन, घाव की सिलाई और पुनर्निर्माण से जुड़ी तकनीकों का मरीजों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कराया गया।

दूसरे दिन ब्लेफेरोप्लास्टी और चिन इंप्लांट पर जोर

दूसरे दिन ब्लेफेरोप्लास्टी, चिन इंप्लांट, जेनियोप्लास्टी और बक्कल फैट रिडक्शन जैसी प्रक्रियाओं पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को चेहरे का मूल्यांकन, एस्थेटिक उपचार की योजना, पलकों और ठोड़ी के सौंदर्य में सुधार, चेहरे की कंटूरिंग तथा टिश्यू मैनेजमेंट जैसी तकनीकों के बारे में विस्तार से बताया गया।

तीसरे दिन स्माइल करेक्शन का प्रशिक्षण

तीसरे दिन सर्जिकल गमी स्माइल करेक्शन और लिप रिडक्शन पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को स्माइल एवं फेशियल एस्थेटिक असेसमेंट, अत्यधिक मसूड़ों के प्रदर्शन को कम करने की सर्जिकल तकनीक, होंठों की आकृति में सुधार तथा चेहरे को अधिक संतुलित और आकर्षक बनाने की आधुनिक प्रक्रियाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। तीनों दिनों में प्रतिभागियों ने मरीजों पर आधुनिक उपचार तकनीकों का हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण भी लिया। विशेषज्ञों ने कॉस्मेटिक डेंटिस्ट्री और फेशियल एस्थेटिक्स के क्षेत्र में उपचार के दौरान मरीज की जरूरत के अनुसार विभिन्न तकनीकों को एकीकृत करने की जानकारी दी। डॉ. आशीष कुमार ने इस तरह के ज्ञानवर्धक कार्यक्रम के आयोजन के लिए संस्थान का आभार जताया। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम दंत चिकित्सकों को आधुनिक फेशियल एस्थेटिक्स तकनीकों से अपडेट रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को फेशियल एस्थेटिक्स के क्षेत्र में आधुनिक उपचार पद्धतियों की जानकारी मिली। प्रतिभागियों ने आईटीएस डेंटल कॉलेज के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा और वाइस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा का कार्यक्रम के आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Uday Bhoomi

Date:22.08.2026

फेशियल एस्थेटिक्स की आधुनिक तकनीकों से रूबरू हुए दंत चिकित्सक, आईटीएस में प्रशिक्षण का आयोजन

36 प्रतिभागियों ने लिया तीन दिवसीय प्रशिक्षण, मरीजों पर नवीन उपचार तकनीकों का किया व्यावहारिक अभ्यास

उदय भूमि संवाददाता

गाजियाबाद। दिल्ली मेरठ रोड़ स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज मुरादनगर के पीरियडोंटोलॉजी विभाग की ओर से 19 से 21 अगस्त (शुक्रवार) तक चौथे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स पाठ्यक्रम के छठवें मॉड्यूल का सफल आयोजन किया गया। तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में निजी दंत चिकित्सकों, संस्थान के दंत चिकित्सकों, पूर्व छात्रों, एमडीएस विद्यार्थियों और शिक्षकों समेत कुल 36 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम डेक्टोमैक्स इंटरनेशनल एकेडमी और प्रोफी विश्वविद्यालय, उज्बेकिस्तान के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के उपाध्यक्ष अर्पित चड्ढा के सहयोग से किया गया। इसका उद्देश्य दंत चिकित्सकों को चेहरे की सौंदर्य चिकित्सा से जुड़ी आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना और मरीजों को समग्र उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में

चिकित्सकीय दक्षता बढ़ाना रहा। पाठ्यक्रम के अतिथि वक्ता डॉ. आशीष कुमार सिंह, डॉ. जूही तलरेजा, डॉ. श्वेता गुप्ता और डॉ. गौरव तिवारी ने प्रतिभागियों को फेशियल एस्थेटिक्स से जुड़ी विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान रासायनिक छिलके, बोटॉक्स, लेजर हेयर रिडक्शन, त्वचीय फिलर्स सहित अन्य आधुनिक सौंदर्य उपचारों को दंत चिकित्सा के साथ प्रभावी रूप से जोड़ने की तकनीकों पर विस्तार से जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने चेहरे की बनावट और मरीज की आवश्यकता के अनुसार उपचार की योजना तैयार करने पर भी विशेष जोर दिया। पहले दिन प्रतिभागियों को दाग सुधार सर्जरी, जैंथेलाजमा हटाने और कान की लोब की मरम्मत जैसी प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण दिया गया। इसमें दाग का आकलन, सर्जिकल सुधार, ऊतक प्रबंधन, सटीक चीरा और घाव की सिलाई जैसी तकनीकों का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। दूसरे दिन पलकों की सुंदरता से जुड़ी सर्जरी, ठुड्डी प्रत्यारोपण एवं जेनियोप्लास्टी तथा गाल की अतिरिक्त वसा कम करने की

▶ **विशेषज्ञों ने आधुनिक सौंदर्य चिकित्सा तकनीकों की दी जानकारी, तीन दिनों में अलग-अलग सर्जिकल प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण**

प्रक्रिया पर प्रशिक्षण दिया गया। वहीं तीसरे दिन सर्जिकल गमी स्माइल सुधार और होंठों की आकृति में सुधार से संबंधित तकनीकों को समझाया गया। तीनों दिन प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में मरीजों पर इन प्रक्रियाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। डॉ. आशीष कुमार सिंह ने विद्यार्थियों और दंत चिकित्सकों के लिए इस प्रकार के ज्ञानवर्धक प्रशिक्षण मंच उपलब्ध कराने के लिए संस्थान का आभार जताया। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को फेशियल एस्थेटिक्स की आधुनिक तकनीकों को समझने और व्यावहारिक ज्ञान हासिल करने के लिए उपयोगी बताया। उन्होंने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा और उपाध्यक्ष अर्पित चड्ढा के प्रति आभार व्यक्त किया।

Sign: ____________

Dental Library

____

Director- Principal

Sunehra Sansar

Date:22.08.2026

आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज में चौथे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के छठवें मॉड्यूल का आयोजन किया गया

राष्ट्रीय सुनहरा संसार वन्दना जोशी संवादाता

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के पीरियडोनटोलॉजी विभाग द्वारा दिनांक 19 से 21 अगस्त, 2026 तक चौथे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के छठवें मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इसमें प्रत्येक मॉड्यूल तीन दिनों का होता है, जिसमें 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एम.डी.एस के विद्यार्थी और कॉलेज के अध्यापक शामिल थे। यह कोर्स डेक्टोमैक्स इंटरनेशनल एकेडमी और प्रोफी विश्वविद्यालय, उज्बेकिस्तान के सहयोग से आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच चेहरे के सौन्दर्य चिकित्सा के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा चेहरे के सौन्दर्य में वृद्धि की मांग करने वाले रोगियों की प्राथमिक वैकल्पिक लक्ष्यों को प्राप्त करना एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान करना है। इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर डॉ आशीष कुमार सिंह, डॉ जूही तलरेजा, डॉ श्वेता गुप्ता एवं डॉ गौरव तिवारी थे, जो फेशियल एस्थेटिक्स चिकित्सक के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय वक्ता भी है। जिन्होंने फेशियल एस्थेटिक्स पर इस तरह की अनेकों कार्यशालाएं की है। कार्यक्रम के दौरान डॉ आशीष एवं उनकी टीम ने कॉस्मेटिक डेन्टिस्ट्री के अन्तर्गत चेहरे की सुदंरता को ज्यादा बढाने के लिए विभिन्न विकल्पों के बारे में सभी प्रतिभागियों को समझाया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को केमिकल पील्स, बोटॉक्स, लेजर हेयर रिडक्शन, डर्मल फिलर्स और अन्य फेशियल एस्थेटिक्स उपचार को सफलतापूर्वक एकीकृत करने के लिये तैयार करना है।मॉड्यूल के पहले दिन में प्रतिभागियों को स्कार रिवीजन सर्जरी, जैंथेलाजमा एक्सीजन तथा ईयरलोब रिपेयर पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को स्कार के आकलन, सर्जिकल करेक्शन, एस्थेटिक टिश्यू मैनेजमेंट, सटीक एक्सीजन, घाव की सिलाई तथा पुनर्निर्माण संबंधित तकनीकों का मरीजों पर व्यावहारिक अनुप्रयोग का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। दूसरे दिन ब्लेफरोप्लास्टी, चिन इम्प्लांट जेनियोप्लास्टी तथा बक्कल फैट रिडक्शन प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रतिभागियों को चेहरे का मूल्यांकन, एस्थेटिक उपचार प्लानिंग, पलकों को सुंदर बनाना, चीन को सुंदर बनाना, चेहरे की कंटूरिंग तथा टिश्यू मैनेजमेंट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष ध्यान दिया गया। तीसरे दिन में सर्जिकल गमी स्माइल करेक्शन तथा लिप रिडक्शन पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को स्माइल एवं फेशियल एस्थेटिक असेसमेंट, अत्यधिक मसूड़ों के प्रदर्शन का सर्जिकल सुधार, होठों की आकृति में सुधार तथा चेहरे को सुंदर बनाना की तकनीकों का व्यापक व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। तीनों दिन प्रतिभागियों ने मरीजों पर इन नवीनतम उपचारों का हैंड्स-ऑन किया। डॉ आशीष ने विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों के लिये इस तरह के ज्ञानवर्धक मंच के आयोजन के लिये संस्थान को धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ फेशियल एस्थेटिक्स उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: ___________ ___________________________

Dental Library Director- Principal

Gaj Kesari Yug

Date:22.08.2026

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में चौथे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के छठवें मॉड्यूल का आयोजन

गज केसरी युग

मुरादनगर(मनीष गोयल)। आईटीएस डेन्टल कॉलेज के पीरियडोनटोलॉजी विभाग द्वारा चौथे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के छठवें मॉड्यूल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एम.डी.एस के विद्यार्थी और कॉलेज के अध्यापक शामिल थे।

यह कोर्स डेक्टोमैक्स इंटरनेशनल एकेडमी और प्रोफी विश्वविद्यालय, उज्बेकिस्तान के सहयोग से आयोजित किया गया था। जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच चेहरे के सौन्दर्य चिकित्सा के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा चेहरे के सौन्दर्य में वृद्धि की मांग करने वाले रोगियों की प्राथमिक वैकल्पिक लक्ष्यों को प्राप्त करना एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान करना है।

इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर डॉ आशीष कुमार सिंह, डॉ जूही तलरेजा, डॉ श्वेता गुप्ता एवं डॉ गौरव तिवारी थे, जो फेशियल एस्थेटिक्स चिकित्सक के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय वक्ता भी है। जिन्होंने फेशियल एस्थेटिक्स पर इस तरह की अनेकों कार्यशालाएं की है। कार्यक्रम के दौरान डॉ आशीष एवं उनकी टीम ने कॉस्मेटिक डेन्टिस्ट्री के अन्तर्गत चेहरे की सुदंरता को ज्यादा बढाने के लिए विभिन्न विकल्पों के बारे में सभी प्रतिभागियों को समझाया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को केमिकल पील्स, बोटॉक्स, लेजर हेयर रिडक्शन, डर्मल फिलर्स और अन्ये फेशियल एस्थेटिक्स उपचार को सफलतापूर्वक एकीकृत करने के लिये तैयार करना है।

मॉड्यूल के पहले दिन में प्रतिभागियों को स्कार रिवीजन सर्जरी, जैंथेलाजमा एक्सीजन तथा ईयरलोब रिपेयर पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को स्कार के आकलन, सर्जिकल करेक्शन, एस्थेटिक टिश्यू मैनेजमेंट, सटीक एक्सीजन, घाव की सिलाई तथा पुनर्निर्माण संबंधित तकनीकों का मरीजों पर व्यावहारिक अनुप्रयोग का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

दूसरे दिन ब्लेफरोप्लास्टी, चिन इम्प्लांट जेनियोप्लास्टी तथा बक्कल फैट रिडक्शन प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रतिभागियों को चेहरे का मूल्यांकन, एस्थेटिक उपचार प्लानिंग, पलकों को सुंदर बनाना, चीन को सुंदर बनाना, चेहरे की कंटूरिंग तथा टिश्यू मैनेजमेंट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष ध्यान दिया गया। तीसरे दिन में सर्जिकल गमी स्माइल करेक्शन तथा लिप रिडक्शन पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को स्माइल एवं फेशियल एस्थेटिक असेसमेंट, अत्यधिक मसूड़ों के प्रदर्शन का सर्जिकल सुधार, होठों की आकृति में सुधार तथा चेहरे को सुंदर बनाना की तकनीकों का व्यापक व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। तीनों दिन प्रतिभागियों ने मरीजों पर इन नवीनतम उपचारों का हैंड्स-ऑन किया। डॉ आशीष ने विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों के लिये इस तरह के ज्ञानवर्धक मंच के आयोजन के लिये संस्थान को धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम के लिये सभी ने ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा का आभार व्यक्त किया।

\`

Sign: ___________
Dental Library

____
Director- Principal

Aap Abhi Tak

Date:22.08.2026

फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के छठवें मॉड्यूल का आयोजन

एस्थेटिक्स कोर्स

- आयोजित प्रत्येक मॉड्यूल तीन दिनों का हुआ, जिसमें 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया

संवाददाता (आप अभीतक)

गाजियाबाद। आईटीएस डेन्टल कॉलेज के पीरियडोनटोलॉजी विभाग द्वारा दिनांक 19 से 21 अगस्त तक चौथे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के छठवें मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इसमें प्रत्येक मॉड्यूल तीन दिनों का होता है, जिसमें 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एमडीएस के विद्यार्थी और कॉलेज के अध्यापक शामिल थे। यह कोर्स डेक्टोमैक्स इंटरनेशनल एकेडमी और प्रोफी विश्वविद्यालय, उज्बेकिस्तान के सहयोग से आयोजित किया गया था।

यह कार्यक्रम आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्डा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच चेहरे के सौन्दर्य चिकित्सा के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा चेहरे के सौन्दर्य में वृद्धि की मांग करने वाले रोगियों की प्राथमिक वैकल्पिक लक्ष्यों को प्राप्त करना एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान करना है।

इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर डॉ आशीष कुमार सिंह, डॉ जूही तलरेजा, डॉ श्वेता गुप्ता एवं डॉ गौरव तिवारी थे, जो फेशियल एस्थेटिक्स चिकित्सक के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय वक्ता भी है। जिन्होंने फेशियल एस्थेटिक्स पर इस तरह की अनेकों कार्यशालाएं की है। कार्यक्रम के दौरान डॉ आशीष एवं उनकी टीम ने कॉस्मेटिक डेन्टिस्ट्री के अन्तर्गत चेहरे की सुदंरता को ज्यादा बढाने के लिए विभिन्न विकल्पों के बारे में सभी प्रतिभागियों को समझाया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को केमिकल पील्स, बोटॉक्स, लेजर हेयर रिडक्शन, डर्मल फिलर्स और अन्य फेशियल एस्थेटिक्स उपचार को सफलतापूर्वक एकीकृत करने के लिये तैयार करना है।

मॉड्यूल के पहले दिन में प्रतिभागियों को स्कार रिवीजन सर्जरी, जैंथेलाजमा एक्सीजन तथा ईयरलोब रिपेयर पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को स्कार के आकलन, सर्जिकल करेक्शन, एस्थेटिक टिश्यू मैनेजमेंट, सटीक एक्सीजन, घाव की सिलाई तथा पुनर्निर्माण संबंधित तकनीकों का मरीजों पर व्यावहारिक अनुप्रयोग का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

दूसरे दिन ब्लेफरोप्लास्टी, चिन इम्प्लांट जेनियोप्लास्टी तथा बक्कल फैट रिडक्शन प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रतिभागियों को चेहरे का मूल्यांकन, एस्थेटिक उपचार प्लानिंग, पलकों को सुंदर बनाना, चीन को सुंदर बनाना, चेहरे की कंटूरिंग तथा टिश्यू मैनेजमेंट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष ध्यान दिया गया। तीसरे दिन में सर्जिकल गमी स्माइल करेक्शन तथा लिप रिडक्शन पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को स्माइल एवं फेशियल एस्थेटिक असेसमेंट, अत्यधिक मसूड़ों के प्रदर्शन का सर्जिकल सुधार, होठों की आकृति में सुधार तथा चेहरे को सुंदर बनाना की तकनीकों का व्यापक व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। तीनों दिन प्रतिभागियों ने मरीजों पर इन नवीनतम उपचारों का हैंड्स-ऑन किया। डॉ आशीष ने विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों के लिये इस तरह के ज्ञानवर्धक मंच के आयोजन के लिये संस्थान को धन्यवाद दिया।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ फेशियल एस्थेटिक्स उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: ____________
Dental Library

____
Director- Principal

Manasvi Vani

Date:22.08.2026

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में चौथे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के छठवें मॉड्यूल का आयोजन

मनस्वी वाणी संवाददाता

मुरादनगर।आईटीएस डेन्टल कॉलेज के पीरियडोनटोलॉजी विभाग द्वारा चौथे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के छठवें मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इसमें प्रत्येक मॉड्यूल तीन दिनों का होता है, जिसमें 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एमडीएस के विद्यार्थी और कॉलेज के अध्यापक शामिल थे। यह कार्यक्रम आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया।जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच चेहरे के सौन्दर्य चिकित्सा के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा चेहरे के सौन्दर्य में वृद्धि की मांग करने वाले रोगियों की प्राथमिक वैकल्पिक लक्ष्यों को प्राप्त करना एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान करना है। पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर डॉ आशीष कुमार सिंह डॉ जूही तलरेजा डॉ श्वेता गुप्ता एवं डॉ गौरव तिवारी थे।मॉड्यूल के पहले दिन में प्रतिभागियों को स्कार रिवीजन सर्जरी, जैंथेलाजमा एक्सीजन तथा ईयरलोब रिपेयर पर प्रशिक्षण दिया गया।दूसरे दिन ब्लेफरोप्लास्टी, चिन इम्प्लांट जेनियोप्लास्टी तथा बक्कल फैट रिडक्शन प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया।तीसरे दिन में सर्जिकल गमी स्माइल करेक्शन तथा लिप रिडक्शन पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को स्माइल एवं फेशियल एस्थेटिक असेसमेंट, अत्यधिक मसूड़ों के प्रदर्शन का सर्जिकल सुधार, होठों की आकृति में सुधार तथा चेहरे को सुंदर बनाना की तकनीकों का व्यापक व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। तीनों दिन प्रतिभागियों ने मरीजों पर इन नवीनतम उपचारों का हैंड्स-ऑन किया। डॉ आशीष ने विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों के लिये इस तरह के ज्ञानवर्धक मंच के आयोजन के लिये संस्थान को धन्यवाद दिया।

Sign: __________

Dental Library | **Director- Principal**

Yug Karvat

Date:22.08.2026

आईटीएस डेंटल एस्थेटिक्स मॉड्यूल का आयोजन

गाजियाबाद (युग करवट)। आईटीएस डेंटल कॉलेज के पीरियडोनटोलॉजी विभाग द्वारा चौथे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के छठवें मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इसमें प्रत्येक मॉड्यूल तीन दिनों का होता है, जिसमें 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एमडीएस के विद्यार्थी और कॉलेज के अध्यापक शामिल थे। यह कायक्रम आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच चेहरे के सौन्दर्य चिकित्सा के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा चेहरे के सौन्दर्य में वृद्धि की मांग करने वाले रोगियों की प्राथमिक वैकल्पिक लक्ष्यों को प्राप्त करना एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान करना है। गेस्ट स्पीकर डॉ आशीष कुमार सिंह, डॉ जूही तलरेजा, डॉ श्वेता गुप्ता एवं डॉ गौरव तिवारी थे, जो फेशियल एस्थेटिक्स चिकित्सक के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय वक्ता भी है।

Sign: __________
Dental Library

Director- Principal

Krishna Ujala

Date:22.08.2026

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में चौथे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के छठवें मॉड्यूल का आयोजन किया गया

कृष्ण उजाला संवाददाता

गाजियाबाद। आई.टी.एस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के पीरियडोनटोलॉजी विभाग द्वारा दिनांक 19 से 21 अगस्त, 2026 तक चौथे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के छठवें मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इसमें प्रत्येक मॉड्यूल तीन दिनों का होता है, जिसमें 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एम.डी.एस के विद्यार्थी और कॉलेज के अध्यापक शामिल थे। यह कोर्स डेक्टोमैक्स इंटरनेशनल एकेडमी और प्रोफी विश्वविद्यालय, उज्बेकिस्तान के सहयोग से आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच चेहरे के सौन्दर्य चिकित्सा के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा चेहरे के सौन्दर्य में वृद्धि की मांग करने वाले रोगियों की प्राथमिक वैकल्पिक लक्ष्यों को प्राप्त करना एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान करना है। इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर डॉ आशीष कुमार सिंह, डॉ जूही तलरेजा, डॉ श्वेता गुप्ता एवं डॉ गौरव तिवारी थे, जो फेशियल एस्थेटिक्स चिकित्सक के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय वक्ता भी है। जिन्होंने फेशियल एस्थेटिक्स पर इस तरह की अनेकों कार्यशालाएं की है। कार्यक्रम के दौरान डॉ आशीष एवं उनकी टीम ने कॉस्मेटिक डेन्टिस्ट्री के अन्तर्गत चेहरे की सुदंरता को ज्यादा बढाने के लिए विभिन्न विकल्पों के बारे में सभी प्रतिभागियों को समझाया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को केमिकल पील्स, बोटॉक्स, लेजर हेयर रिडक्शन, डर्मल फिलर्स और अन्य फेशियल एस्थेटिक्स उपचार को सफलतापूर्वक एकीकृत करने के लिये तैयार करना है। मॉड्यूल के पहले दिन में प्रतिभागियों को स्कार रिवीजन सर्जरी, जैंथेलाजमा एक्सीजन तथा ईयरलोब रिपेयर पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को स्कार के आकलन, सर्जिकल करेक्शन, एस्थेटिक टिश्यू मैनेजमेंट, सटीक एक्सीजन, घाव की सिलाई तथा पुनर्निर्माण संबंधित तकनीकों का मरीजों पर व्यावहारिक अनुप्रयोग का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

दूसरे दिन ब्लेफरोप्लास्टी, चिन इम्प्लांट जेनियोप्लास्टी तथा बक्कल फैट रिडक्शन प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रतिभागियों को चेहरे का मूल्यांकन, एस्थेटिक उपचार प्लानिंग, पलकों को सुंदर बनाना, चीन को सुंदर बनाना, चेहरे की कंटूरिंग तथा टिश्यू मैनेजमेंट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष ध्यान दिया गया। तीसरे दिन में सर्जिकल गमी स्माइल करेक्शन तथा लिप रिडक्शन पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

प्रतिभागियों को स्माइल एवं फेशियल एस्थेटिक असेसमेंट, अत्यधिक मसूड़ों के प्रदर्शन का सर्जिकल सुधार, होठों की आकृति में सुधार तथा चेहरे को सुंदर बनाना की तकनीकों का व्यापक व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। तीनों दिन प्रतिभागियों ने मरीजों पर इन नवीनतम उपचारों का हैंड्स-ऑन किया। डॉ आशीष ने विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों के लिये इस तरह के ज्ञानवर्धक मंच के आयोजन के लिये संस्थान को धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ फेशियल एस्थेटिक्स उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: __________
Dental Library

____
Director- Principal

Janvani

Date:22.08.2026

आईटीएस में एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स में दिए टिप्स

मोदीनगर/ मुरादनगर(जनवाणी): आईटीएस डेंटल कालेज के पीरियडोनटोलॉजी विभाग की ओर से तीन दिवसीय चौथे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स पर आयोजित कार्यक्रम का समापन हो गया। डेक्टोमैक्स इंटरनेशनल एकेडमी और प्रोफी विश्वविद्यालय उज्बेकिस्तान के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञो ने मरीजों के बीच चेहरे के सौन्दर्य चिकित्सा के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा चेहरे के सौन्दर्य में वृद्धि की मांग करने वाले रोगियों की प्राथमिक वैकल्पिक लक्ष्यों की पूर्ण जानकारी दी। आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा की मौजूदगी में मुख्य वक्ताओं में डॉ. आशीष कुमार सिंह, डॉ. जूही तलरेजा, डॉ. श्वेता गुप्ता एवं डॉ गौरव तिवारी कॉस्मेटिक डेन्टिस्ट्री के अन्तर्गत चेहरे की सुदंरता को ज्यादा बढाने के लिए विभिन्न विकल्पों के बारे में सभी प्रतिभागियों को समझाया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को केमिकल पील्स, बोटॉक्स, लेजर हेयर रिडक्शन, डर्मल फिलर्स और अन्य फेशियल एस्थेटिक्स उपचार को एकीकृत करने के लिये तैयार करना रहा। प्रतिभागियों को स्कार रिवीजन सर्जरी, जैंथेलाजमा एक्सीजन तथा ईयरलोब रिपेयर का भी प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को स्कार के आकलन, सर्जिकल करेक्शन, एस्थेटिक टिश्यू मैनेजमेंट, सटीक एक्सीजन, घाव की सिलाई के बारे में भी बताया गया। अंत में सर्जिकल गमी स्माइल करेक्शन तथा लिप रिडक्शन पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को अत्यधिक मसूड़ों के प्रदर्शन का सर्जिकल सुधार, होठों की आकृति में सुधार तथा चेहरे को सुंदर बनाने की तकनीक भी बताई गई। कार्यक्रम के आयोजन को लेकर संस्थान ने चेयरमैन डा. आरपी चड्ढा के सहयोग को सराहा गया।

Sign: __________
Dental Library

____
Director- Principal

Dainik Bhaskar

Date:22.08.2026

आईटीएस डेंटल कॉलेज में एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स का छठा मॉड्यूल संपन्न

भास्कर ब्यूरो

मुरादनगर। नगर क्षेत्र के आई.टी.एस डेंटल कॉलेज के पीरियडोनटोलॉजी विभाग द्वारा 19 से 21 अगस्त तक चौथे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के छठवें मॉड्यूल का सफल आयोजन किया गया। तीन दिवसीय इस कोर्स में 36 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें निजी दंत चिकित्सक, पूर्व छात्र, एमडीएस विद्यार्थी और कॉलेज के शिक्षक शामिल रहे। यह कोर्स डेक्टोमैक्स इंटरनेशनल एकेडमी और प्रोफी विश्वविद्यालय, उज्बेकिस्तान के सहयोग से आयोजित किया गया था। यह आयोजन आई.टी.एस- द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा और वाइस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन में किया गया। इसका उद्देश्य मरीजों में फेशियल एस्थेटिक्स को लेकर जागरूकता बढ़ाना और समग्र उपचार प्रदान करना है। इस कोर्स में गेस्ट स्पीकर के रूप में अंतरराष्ट्रीय फेशियल एस्थेटिक्स विशेषज्ञ डॉ. आशीष कुमार सिंह, डॉ. जूही तलरेजा, डॉ. श्वेता गुप्ता और डॉ. गौरव तिवारी शामिल रहे। मॉड्यूल के पहले दिन स्कार रिवीजन सर्जरी, जैंथेलाजमा एक्सीजन तथा ईयरलोब रिपेयर पर प्रशिक्षण दिया गया। दूसरे दिन ब्लेफरोप्लास्टी, चिन इम्प्लांट जेनियोप्लास्टी तथा बक्कल फैट रिडक्शन पर प्रशिक्षण दिया गया। तीसरे दिन सर्जिकल गमी स्माइल करेक्शन तथा लिप रिडक्शन पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। तीनों दिन प्रतिभागियों ने मरीजों पर इन नवीनतम उपचारों का हैंड्स-ऑन किया। इस दौरान प्रतिभागियों को केमिकल पील्स, बोटॉक्स, लेजर हेयर रिडक्शन, डर्मल फिलर्स सहित अन्य एस्थेटिक उपचारों को सफलतापूर्वक एकीकृत करने के लिए तैयार किया गया। डॉ आशीष ने इस ज्ञानवर्धक मंच के लिए संस्थान को धन्यवाद दिया।

Sign: __________
Dental Library

____
Director- Principal

Pahal Today

Date:22.08.2026

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में चौथे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के छठवें मॉड्यूल का आयोजन किया गया

पहल टुडे

गाजियाबाद। आई.टी.एस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के पीरियडोनटोलॉजी विभाग द्वारा दिनांक 19 से 21 अगस्त, 2026 तक चौथे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के छठवें मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इसमें प्रत्येक मॉड्यूल तीन दिनों का होता है, जिसमें 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एम.डी.एस के विद्यार्थी और कॉलेज के अध्यापक शामिल थे। यह कोर्स डेक्टोमैक्स इंटरनेशनल एकेडमी और प्रोफी विश्वविद्यालय, उज्बेकिस्तान के सहयोग से आयोजित किया गया था।

यह कार्यक्रम आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच चेहरे के सौन्दर्य चिकित्सा के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा चेहरे के सौन्दर्य में वृद्धि की मांग करने वाले रोगियों की प्राथमिक वैकल्पिक लक्ष्यों को प्राप्त करना एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान करना है।

इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर डॉ आशीष कुमार सिंह, डॉ जूही तलरेजा, डॉ श्वेता गुप्ता एवं डॉ गौरव तिवारी थे, जो फेशियल एस्थेटिक्स चिकित्सक के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय वक्ता भी है। जिन्होंने फेशियल एस्थेटिक्स पर इस तरह की अनेकों कार्यशालाएं की है। कार्यक्रम के दौरान डॉ आशीष एवं उनकी टीम ने कॉस्मेटिक डेन्टिस्ट्री के अन्तर्गत चेहरे की सुदंरता को ज्यादा बढाने के लिए विभिन्न विकल्पों के बारे में सभी प्रतिभागियों को समझाया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को केमिकल पील्स, बोटॉक्स, लेजर हेयर रिडक्शन, डर्मल फिलर्स और अन्य फेशियल एस्थेटिक्स उपचार को सफलतापूर्वक एकीकृत करने के लिये तैयार करना है।

मॉड्यूल के पहले दिन में प्रतिभागियों को स्कार रिवीजन सर्जरी, जैंथेलाजमा एक्सीजन तथा ईयरलोब रिपेयर पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को स्कार के आकलन, सर्जिकल करेक्शन, एस्थेटिक टिश्यू मैनेजमेंट, सटीक एक्सीजन, घाव की सिलाई तथा पुनर्निर्माण संबंधित तकनीकों का मरीजों पर व्यावहारिक अनुप्रयोग का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

दूसरे दिन ब्लेफरोप्लास्टी, चिन इम्प्लांट जेनियोप्लास्टी तथा बक्कल फैट रिडक्शन प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रतिभागियों को चेहरे का मूल्यांकन, एस्थेटिक उपचार प्लानिंग, पलकों को सुंदर बनाना, चीन को सुंदर बनाना, चेहरे की कंटूरिंग तथा टिश्यू मैनेजमेंट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष ध्यान दिया गया।

तीसरे दिन में सर्जिकल गमी स्माइल करेक्शन तथा लिप रिडक्शन पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को स्माइल एवं फेशियल एस्थेटिक असेसमेंट, अत्यधिक मसूड़ों के प्रदर्शन का सर्जिकल सुधार, होठों की आकृति में सुधार तथा चेहरे को सुंदर बनाना की तकनीकों का व्यापक व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। तीनों दिन प्रतिभागियों ने मरीजों पर इन नवीनतम उपचारों का हैंड्स-ऑन किया। डॉ आशीष ने विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों के लिये इस तरह के ज्ञानवर्धक मंच के आयोजन के लिये संस्थान को धन्यवाद दिया।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ फेशियल एस्थेटिक्स उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: ___________
Dental Library

____
Director- Principal

Chamakta Gaun

Date: 21.08.2026

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में चौथे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के छठवें मॉड्यूल का आयोजन

गाजियाबाद।आई.टी.एस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के पीरियडोनटोलॉजी विभाग द्वारा दो दिवसीय 19 से 21 अगस्त, 2026 तक चौथे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के छठवें मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया

इसमें प्रत्येक मॉड्यूल तीन दिनों का होता है, जिसमें 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एम.डी.एस के विद्यार्थी और कॉलेज के अध्यापक शामिल थे।यह कोर्स डेक्टोमैक्स इंटरनेशनल एकेडमी और प्रोफी विश्वविद्यालय, उज्बेकिस्तान के सहयोग से आयोजित किया गया था।

यह कार्यक्रम आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच चेहरे के सौन्दर्य चिकित्सा के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा चेहरे के सौन्दर्य में वृद्धि की मांग करने वाले रोगियों की प्राथमिक वैकल्पिक लक्ष्यों को प्राप्त करना एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान करना है।

इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर डॉ.आशीष कुमार सिंह, डॉ. जूही तलरेजा, डॉ. श्वेता गुप्ता एवं डॉ. गौरव तिवारी थे, जो फेशियल एस्थेटिक्स चिकित्सक के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय वक्ता भी हैं।जिन्होंने फेशियल एस्थेटिक्स पर इस तरह की अनेकों कार्यशालाएं की हैं।

कार्यक्रम के दौरान डॉ.आशीष एवं उनकी टीम ने कॉस्मेटिक डेन्टिस्ट्री के अन्तर्गत चेहरे की सुदंरता को ज्यादा बढ़ाने के लिए विभिन्न विकल्पों के बारे में सभी प्रतिभागियों को समझाया।इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को केमिकल पील्स, बोटॉक्स, लेजर हेयर रिडक्शन, डर्मल फिलर्स और अन्य फेशियल एस्थेटिक्स उपचार को

सफलतापूर्वक एकीकृत करने के लिये तैयार करना है।मॉड्यूल के पहले दिन में प्रतिभागियों को स्कार रिवीजन सर्जरी, जैंथेलाजमा एक्सीजन तथा ईयरलोब रिपेयर पर प्रशिक्षण दिया गया।
प्रतिभागियों को स्कार के आकलन, सर्जिकल करेक्शन, एस्थेटिक टिश्यू मैनेजमेंट, सटीक एक्सीजन, घाव की सिलाई तथा पुनर्निर्माण संबंधित तकनीकों का मरीजों पर व्यावहारिक अनुप्रयोग का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
दूसरे दिन ब्लेफरोप्लास्टी, चिन इम्प्लांट जेनियोप्लास्टी तथा बक्कल फैट रिडक्शन प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया।
प्रतिभागियों को चेहरे का मूल्यांकन, एस्थेटिक उपचार प्लानिंग, पलकों को सुंदर बनाना, चीन को सुंदर बनाना, चेहरे की कंटूरिंग तथा टिश्यू मैनेजमेंट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष ध्यान दिया गया।तीसरे दिन मेंसर्जिकल गमी स्माइल करेक्शन तथा लिप रिडक्शन पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया।प्रतिभागियों को स्माइल एवं फेशियल एस्थेटिक असेसमेंट, अत्यधिक मसूड़ों के प्रदर्शन का सर्जिकल सुधार, होठों की आकृति में सुधार तथा चेहरे को सुंदर बनाना की तकनीकों का व्यापक व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
तीनों दिन प्रतिभागियों ने मरीजों पर इन नवीनतम उपचारों का हैंड्स-आॅन किया।डॉ आशीष ने विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों के लिये इस तरह के ज्ञानवर्धक मंच के आयोजन के लिये संस्थान को धन्यवाद दिया।इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ फेशियल एस्थेटिक्स उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Date: 21.08.2026

आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज में चौथे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के छठवें मॉड्यूल का आयोजन किया गया

Ghaziabad :- आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के पीरियडोनटोलॉजी विभाग द्वारा दिनांक 19 से 21 अगस्त, 2026 तक चौथे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के छठवें मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया।इसमें प्रत्येक मॉड्यूल तीन दिनों का होता है, जिसमें 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एम.डी.एस के विद्यार्थी और कॉलेज के अध्यापक शामिल थे।यह कोर्स डेक्टोमैक्स इंटरनेशनल एकेडमी और प्रोफी विश्वविद्यालय, उज्बेकिस्तान के सहयोग से आयोजित किया गया था।

यह कार्यक्रम आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच चेहरे के सौन्दर्य चिकित्सा के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा चेहरे के सौन्दर्य में वृद्धि की मांग करने वाले रोगियों की प्राथमिक वैकल्पिक लक्ष्यों को प्राप्त करना एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान करना है।

Sign:

Dental Library **Director- Principal**

इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर डॉ आशीष कुमार सिंह, डॉ जूही तलरेजा, डॉ श्वेता गुप्ता एवं डॉ गौरव तिवारी थे, जो फेशियल एस्थेटिक्स चिकित्सक के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय वक्ता भी है।जिन्होंने फेशियल एस्थेटिक्स पर इस तरह की अनेकों कार्यशालाएं की है।कार्यक्रम के दौरान डॉ आशीष एवं उनकी टीम ने कॉस्मेटिक डेन्टिस्ट्री के अन्तर्गत चेहरे की सुदंरता को ज्यादा बढाने के लिए विभिन्न विकल्पों के बारे में सभी प्रतिभागियों को समझाया।इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को केमिकल पील्स, बोटॉक्स, लेज़र हेयर रिडक्शन, डर्मल फिलर्स और अन्य फेशियल एस्थेटिक्स उपचार को सफलतापूर्वक एकीकृत करने के लिये तैयार करना है।

मॉड्यूल के पहले दिन में प्रतिभागियों को स्कार रिवीजन सर्जरी, जैंथेलाजमा एक्सीजन तथा ईयरलोब रिपेयर पर प्रशिक्षण दिया गया।प्रतिभागियों को स्कार के आकलन, सर्जिकल करेक्शन, एस्थेटिक टिश्यू मैनेजमेंट, सटीक एक्सीजन, घाव की सिलाई तथा पुनर्निर्माण संबंधित तकनीकों का मरीजों पर व्यावहारिक अनुप्रयोग का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

दूसरे दिन ब्लेफरोप्लास्टी, चिन इम्प्लांट जेनियोप्लास्टी तथा बक्कल फैट रिडक्शन प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया।प्रतिभागियों को चेहरे का मूल्यांकन, एस्थेटिक उपचार प्लानिंग, पलकों को सुंदर बनाना, चीन को सुंदर बनाना, चेहरे की कंटूरिंग तथा टिश्यू मैनेजमेंट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष ध्यान दिया गया।

तीसरे दिन में सर्जिकल गमी स्माइल करेक्शन तथा लिप रिडक्शन पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया।प्रतिभागियों को स्माइल एवं फेशियल एस्थेटिक असेसमेंट, अत्यधिक मसूड़ों के प्रदर्शन का सर्जिकल सुधार, होठों की आकृति में सुधार तथा चेहरे को सुंदर बनाना की तकनीकों का व्यापक व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।तीनों दिन प्रतिभागियों ने मरीजों पर इन नवीनतम उपचारों का हैंड्स-ऑन किया।डॉ आशीष ने विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों के लिये इस तरह के ज्ञानवर्धक मंच के आयोजन के लिये संस्थान को धन्यवाद दिया।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ फेशियल एस्थेटिक्स उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।